सफल मत्स्य पालन की शुरुआत, स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण बीज के साथ

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क पता:

131/ई, पाटलिपुत्र कॉलोनी, डब्ल्यू.एच.ओ. कार्यालय के पास, पटना- 800 013 (बिहार)

ईमेल- aditay.prasad@microsave.net या, सम्पर्क सूत्र- +91-7870985866

www.microsave.net

दिशा-निर्देश: उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन

मत्स्य बीज (स्पॉन) संचयन पूर्व की तैयारी:

- 10-25 डेसीमल जलक्षेत्र वाले छोटे तालाब का चयन करें।
- तालाब को सुखा लें और साफ-सफाई करें।
- यदि तालाब सुखाना संभव नहीं है, तो तालाब में जलीय कीटनाशक का प्रयोग करके सभी अवांछित जलीय जीवों को तालाब से समाप्त कर दें।
- ब्लू नेट द्वारा तालाब के चारों ओर फेन्सिंग करें और ऊपर से बर्ड नेट लगाकर तालाब को कवर कर दें।
- सूखे हुए तालाब में 1 किलोग्राम प्रति डेसीमल की दर से चूने का प्रयोग करें।
- तालाब में 2.5 से 3 फीट की गहराई तक बोरवेल से पानी भरें, परंतु यदि पानी का कोई अन्य स्रोत हो, तो तालाब में डालने से पहले पानी को महीन जाल या कपड़े से छान लें।
- तालाब में पानी भरने के बाद 250-300 ग्राम प्रति डेसीमल के दर से तालाब में चूने का छिड़काव करें।
- चूना प्रयोग के 2 से 3 दिनों के पश्चात आवश्यकतानुसार जीवा अमृत खाद का प्रयोग करें।
- स्पॉन संचय करने से एक दिन पहले सभी बैक स्विमर या अन्य हानिकारक जीव को ख़त्म करने के लिए 250 मि.ली. /डेसीमल डीजल एवं 50 ग्राम प्रति डेसिमल की दर से डिटर्जेंट के घोल का प्रयोग करें।
- तालाब में एक हापा लगाकर उसमें 4 से 5 छोटे-छोटे स्पॉन डालकर बिषाक्तता की जांच कर लें।

मत्स्य बीज (स्पॉन) संचयन के दौरान की तैयारी:

- स्पॉन की बैग को बिना खोले 25-30 मिनट तक तालाब पानी में छोड़ दें ताकि मत्स्य बीज अच्छी तरह से अनुकूलित हो जाए।
- स्पॉन की बैग को सावधानी से खोलें और फिर सभी स्पॉन को पानी में धीरे-धीरे जाने दें।
- यदि संभव हो तो संचयन के दो घंटे पहले और दो घंटे बाद तालाब में पानी की फुहारा छोड़ें।

मत्स्य बीज (स्पॉन) संचयन के पश्चात तैयारी:

- स्पॉन को पूरक आहार संचयन के 8-10 घंटे बाद देना शुरू करें।
- स्पॉन को प्रतिदिन 2-4 बार फीड करें।
- प्रति लाख स्पॉन को निम्न आहार तालिका के अनुसार पूरक आहार दें:

सप्ताह	प्रतिदिन आहार की मात्रा	आहार सामग्री एवं अनुपात	आवृति
पहला	600 ग्राम	250 ग्राम बेसन + 250 ग्राम सरसों की खल्ली + 75 ग्राम गुड़ + 2 पीस कच्चा अंडा को मिला कर तैयार करें|	3 – 4 बार में
दूसरा	950 ग्राम	400 ग्राम चावल का कुंडा + 400 ग्राम सरसों की खल्ली + 150 ग्राम गुड़ अथवा पाउडर फोर्मुलेटेड नर्सरी फीड	3 – 4 बार में
तीसरा	1.5 कि. ग्रा	600 ग्राम चावल का कुंडा + 600 ग्राम सरसों की खल्ली + 300 ग्राम गुड़ अथवा पाउडर फोर्मुलेटेड नर्सरी फीड	2 – 3 बार में
चौथा	2.25 कि. ग्रा.	900 ग्राम चावल का कुंडा + 900 ग्राम सरसों की खल्ली + 450 ग्राम गुड़ अथवा पाउडर फोर्मुलेटेड नर्सरी फीड	2 – 3 बार में

- संचय के 4-5 दिनों के बाद प्रति सप्ताह 3 - 4 बार सुबह के समय (तेज धूप से पहले) तालाब के तले को मोटी रस्सी के मदद से कुरेंदे।
- संचय के 7-10 दिनों के अंदर तालाब में जाल नहीं चलाएं।
- यदि स्पॉन पानी के सतह पर आकर तैरती हो या साँस लेती हो तो, पानी में तरंग बनाएं, हलचल करें या पानी की फुहारा छोड़ें।
- बादल वाले दिनों में पूरक आहार एवं उर्वरक (खाद) का प्रयोग कम या न करें।
- 15-18 दिनों के बाद, हर सप्ताह बीज के हार्डेनिंग लिए 20-30 मिनट के लिये फ्राई को निकालकर जाल में रखें और पानी का छींटा दें।
- 20-30 मिनट बाद बाजार की मांग के अनुसार बीज को हापा में रखें, बाकी बीज को वापस पानी में छोड़ दें।
- प्रत्येक सप्ताह आवश्यकतानुसार जीवा अमृत खाद का प्रयोग करें।
- यदि कोई मरी हुई फ्राई दिखे, तो उसे तुरंत स्कूप नेट की सहायता से तालाब से बाहर निकाल दें।
- परिवहन से पहले फिंगरलिंग का हार्डेनिंग अवश्य करें।
- 45 – 60 दिनों तक फ्राई का पालन कर, बाज़ार के मांग के अनुसार बेचना शुरू करें ।